भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3959
उत्तर देने की तारीख 18.08.2025

भारतीय कला, संस्कृति और विरासत का डिजिटल संरक्षण एवं संवर्धन

3959. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा प्राचीन भारतीय पांडुलिपियों, कलाकृतियों, स्मारकों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के डिजिटल संरक्षण हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु और अभिलेखीय सामग्री के दृश्य-श्रव्य दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त प्रयोजनार्थ सार्वजनिक या निजी संस्थानों के साथ कोई राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाएं या साझेदारी शुरू की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) ऑनलाइन प्रदर्शनियों, आभासी संग्रहालयों और सांस्कृतिक उत्सवों एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों की स्ट्रीमिंग सहित डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार के पास छात्रों और आम जनता के लिए भारतीय सांस्कृतिक शिक्षा को ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें क्या प्रगति हुई है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): संस्कृति मंत्रालय और इसके अंतर्गत विभिन्न संगठनों ने प्राचीन भारतीय पांडुलिपियों, कलाकृतियों, स्मारकों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के डिजिटल परिरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं, जिनमें दृश्य-श्रव्य प्रलेखन और अभिलेखीय सामग्री का डिजिटलीकरण शामिल है :

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) के अंतर्गत 1,18,359 पुरावशेषों और कलाकृतियों का डिजिटल प्रलेखन किया है।
- भारतीय पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और परिरक्षण के मुख्य उद्देश्य से 'ज्ञान भारतम मिशन' के अंतर्गत, 37 सार्वजनिक और निजी संस्थानों के सहयोग से 3.50 लाख पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है।
- संस्कृति मंत्रालय, सी-डैक, पुणे के तकनीकी सहयोग से संग्रहालय संग्रहों के डिजिटलीकरण के लिए **"जतन"** नामक सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है।
- अभिलेख पटल, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) द्वारा संकलित एक डिजिटल संग्रह है जो भारत की ऐतिहासिक विरासत की झलकियां प्रस्तुत करता है और सावधानीपूर्वक परिरक्षित दस्तावेजों और अभिलेखों का बहुमूल्य संग्रह प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय सांस्कृतिक दृश्य-श्रव्य अभिलेखागार (एनसीएए) भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित और परिरक्षित करने हेतु दुर्लभ और लुप्तप्राय सांस्कृतिक दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग का विश्वसनीय डिजिटल संग्रह है।
- पूरे भारत में सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए गए जिनके मुख्यालय पटियाला, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर, तंजावुर, नागपुर और उदयपुर में स्थित हैं और वे संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्य और ललित कलाओं सहित दृश्य और मंच कलाओं के परिरक्षण और प्रोत्साहन के लिए शोध और दृश्य-श्रव्य प्रलेखन कार्य का संचालन करते हैं।

(ग): संस्कृति मंत्रालय ने ऑनलाइन प्रदर्शनियों, आभासी संग्रहालयों और सांस्कृतिक उत्सवों व शास्त्रीय प्रस्तुतियों की स्ट्रीमिंग सहित डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहल शुरू की है:

- राष्ट्रीय संस्कृति निधि के तत्वावधान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के सहयोग से एक ऐप-आधारित आभासी संग्रहालय के विकास के माध्यम से कर्नाटक के हम्पी स्थित पुरातत्व संग्रहालय का व्यापक स्तरोन्नयन किया गया है।
- भारतीय राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय (एनवीएलआई) की परिकल्पना भारत की संपूर्ण सांस्कृतिक जानकारी को एक स्थान पर एकत्रित करने और उपयोगकर्ता अनुकूल बहुभाषी खोज इंटरफेस के माध्यम से नागरिकों के लिए ऐसी जानकारी सुलभ बनाने हेतु मंच के रूप में की गई है। यह भारत भर के विभिन्न संग्रहों और संस्थानों से सांस्कृतिक प्रासंगिकता के डेटा को होस्ट करता है।
- इसके अतिरिक्त, मंत्रालय नियमित रूप से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक उत्सवों, शास्त्रीय प्रस्तुतियों और अन्य उपलब्धियों सहित भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देता है।

(घ): संस्कृति मंत्रालय अपने विभिन्न संगठनों के माध्यम से छात्रों और आम जनता के लिए भारतीय सांस्कृतिक शिक्षा को ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत करने के लिए निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित करता है :

i. शताब्दी और वर्षगांठ स्कीम

ii. कला संस्कृति विकास योजना के अंतर्गत गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना

iii. संग्रहालयों का विकास

iv. पुस्तकालयों का विकास

v. वैश्विक भागीदारी

vi. राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (ज्ञान भारतम मिशन)

vii. राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण और रोडमैप मिशन

*****